बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग – 4

17 फाल्गुन, 1939 (श.)

वृहस्पतिवार, तिथि ---------------------------------

08 मार्च, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 24

1.	परिवहन विभाग	....	....	03
2.	पर्यावरण एवं वन विभाग	....	....	02
3.	उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग	....	....	01
4.	जल संसाधन विभाग	....	....	03
5.	लघु जल संसाधन विभाग	....	....	02
6.	गृह (विशेष) विभाग	....	....	03
7.	अनु.जाति/अनु.जनजाति कल्याण विभाग	....	....	02
8.	समाज कल्याण विभाग	....	....	05
9.	गृह (आरक्षी) विभाग	....	....	02
10.	पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग	....	....	01

			कुल योग –	**24**

रिक्त पदों पर नियुक्ति

***अ- 44. श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में दलित समाज को प्रभावी तरीके से न्याय दिलाने के लिए वर्ष 2009 में राज्य अनुसूचित जाति आयोग बनाया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि पिछले दो वर्षों से आयोग के अध्यक्ष का पद खाली है एवं आयोग में कुल अठारह पद सृजित किये गये हैं लेकिन इनमें से छह पद खाली हैं;

(ग) क्या यह सही है कि आयोग में हर महीने 100 से ज्यादा मामले आते हैं लेकिन अध्यक्ष का पद खाली होने की वजह से मामलों का निपटारा नहीं हो रहा है एवं दलितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार आयोग के अध्यक्ष सहित सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

बांध का जीर्णोद्धार

***अ- 50. श्री जावेद इकबाल अंसारी** : क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बांका जिले के बाराहाट अंचल के राजस्व ग्राम गोड़धोवा में मदेगरी नाम का जमींदारी बांध है जिसका खाता-111, खेसरा क्रमश: 23, 24, 25 तथा रकबा 04 एकड़ है, बांध जीर्ण-शीर्ण होने के कारण किसानों का लगभग 2000 एकड़ की खेती को सिंचाई करने में परेशानी होती है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त बांध के जीर्ण-शीर्ण अवस्था में रहने के कारण राजस्व ग्राम गोड़धोवा के अलावे अन्य गांव के किसानों का लगभग 2000 एकड़ खेती सिंचाई से वंचित हो जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनहित में उक्त बांध के जीर्णोद्धार का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

अ-दिनांक-5 मार्च, 2018 ई. से स्थगित

प्रखंड कर्मियों पर कार्रवाई

***अ-56. श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत चकिया प्रखंड की मथुरापुरा पंचायत के ग्राम रामकरण पकड़ी आंगनबाड़ी केन्द्र सं.-42 का संचालन चयनित स्थल के बदले मनमाने ढंग से केन्द्र को नहीं चलाया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त केन्द्र को नहीं चलाने के आरोप में पूर्व आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका का चयनमुक्त किया गया था;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो चयनित स्थल केन्द्र सं.-42 पर आंगनबाड़ी सेवा केन्द्र चलाने हेतु स्थानीय मुखिया पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य तथा ग्रामीणों द्वारा चकिया प्रखंड के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी से अनुरोध तथा पत्र देने के बावजूद केन्द्र सं.-42 पर आंगनबाड़ी का संचालन नहीं किया जा रहा है। सरकार उक्त केन्द्र पर आंगनबाड़ी नहीं चलाने के लिए चकिया प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं कर्मियों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

दण्डात्मक कार्रवाई

***अ-57. श्री सुमन कुमार** : क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि शौचालय निर्माण हेतु सर्वे के उपरान्त लाभार्थियों का फोटो शौचालय निर्माण के लिए लिया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि शौचालय का निर्माण कराए बिना एक शौचालय के स्थान पर अधिक लोगों के शौचालय निर्माण की राशि की बंदरबाट की गई है;

(ग) क्या यह सही है कि प्रारंभिक जांचोपरान्त कड़ोरों रुपए की हेराफेरी का मामला प्रकाश में आया था और इस फर्जीवाड़े में संलिप्त मात्र एक अभियुक्त की गिरफ्तारी हुई है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शौचालय निर्माण में फर्जीवाड़ा करने वाले अभियुक्त, जो आज तक प्रशासन की पकड़ में नहीं आए हैं, उनके ऊपर दण्डात्मक कार्रवाई कराते हुए सुलभतापूर्वक शौचालय का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

अ-दिनांक-5 मार्च, 2018 ई. से स्थगित

सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था

*126. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना में आम नागरिकों की यातायात हेतु सावर्जनिक परिवहन के लिए कई योजनाएं बनाई गईं जो कि लागू नहीं हो पा रही हैं;

(ख) क्या यह सही है कि पटना में वर्ष 2014 में ही शहर के 36 रूटों का निर्धारण किया गया था जिनपर निगम की बसें चलाने की योजना थी;

(ग) क्या यह सही है कि लगभग तीन वर्ष बीतने के बाद भी अभी तक मात्र 19 रूटों पर ही बसें चल रही हैं जो कि बिलकुल ही अपर्याप्त है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शीघ्रताशीघ्र शेष 17 रूटों पर आम नागरिकों की सुविधा हेतु सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

बंदरों का आतंक

* 127. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना सिटी एवं दानापुर नगर परिषद् क्षेत्र में बंदरों के उत्पात से आम लोग परेशान हैं;

(ख) क्या यह सही है कि अब तक कई बच्चों एवं महिलाओं को बंदर घायल कर चुके हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सार्वजनिक हित में क्या सरकार का वन विकास निगम उक्त क्षेत्रों में हो रहे बंदरों के नुकसान से निजात दिलाना चाहता है, यदि हां तो कबतक ?

कितने आवेदन समर्पित कितने लंबित

* 128. **डा. दिलीप कुमार जायसवाल** : क्या मंत्री, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि माननीय मुख्यमंत्री के सार्थक सोच के कारण बिहार में शराबबंदी एवं दोषी के लिए कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि कड़े कानून के बाद भी बिहार में सिर्फ वर्ष 2017 में लाखों लीटर शराब अवैध रूप से विभिन्न शहरों एवं कस्बों में पहुंचाया जा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताना चाहेगी कि अभी तक जिलावार कितना लीटर शराब पुलिस या उत्पाद विभाग के द्वारा पकड़ते हुए बरामद की गई एवं उनमें से कितने मामले पर अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय को समर्पित किया गया है एवं कितने लंबित हैं?

कार्रवाई

* 129. **श्री संजीव कुमार सिंह** : क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में संचालित सभी यात्री बसों में सुरक्षा मानकों के तहत आपातकालीन द्वार अथवा आपातकालीन खिड़की के नहीं रहते हुए भी विभागीय अनुज्ञा दी जा रही है जो नियमानुकूल नहीं है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इस संबंध में क्या कार्रवाई करना चाहती है ?

दाहा नदी की सफाई

* 130. **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय** : क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिला के कुचायकोट प्रखंड के मोजछापर से निकल कर सासामूसा होते हुए सीवान-छपरा शहर की तरफ जाने वाली हादा नदी की स्थिति अत्यंत दयनीय है;

(ख) क्या यह सही है कि बाढ़ के दिनों में दाहा नदी दियारा क्षेत्र के अधिक जल-जमाव के निकासी के साथ सिंचाई का भी मुख्य कार्य करती है;

(ग) क्या यह सही है कि विगत कई वर्षों से उक्त नदी की सफाई का कार्य नहीं कराया गया है जिससे नदी अपने पानी का बहाव सुचारु रूप से नहीं कर पाती है और आस पास के क्षेत्रों में भारी फसल नुकसान कराती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार दाहा नदी की सफाई पर कब तक विचार करती है, यदि हां तो कबतक ?

हवा का शुद्धिकरण

* 131. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सेंटर फॉर एनवायरमेंट एंड एनर्जी द्वारा किये गये अध्ययन के मुताबिक वर्ष 2017 में पटना में एयर क्वालिटी खतरनाक स्तर पर कायम रही जो लोगों को गंभीर बीमारियों की तरफ ले जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि रिपोर्ट के अनुसार पटना में 55 प्रतिशत दिन की वायु गुणवत्ता बहुत गंभीर, 19 प्रतिशत मध्यम, 25 प्रतिशत संतोषजनक और केवल एक प्रतिशत दिन अच्छी रही;

(ग) क्या यह सही है कि रिपोर्ट में पीएम टू की मात्रा 138.6 पाई गई जो राष्ट्रीय मानक से 4 गुना अधिक है, जबकि डब्ल्यू. एच. ओ. के मापदंडों के अनुसार करीब 14 गुना ज्यादा है;

(घ) क्या यह सही है कि साल दर साल पटना की हवा जहरीली होती जा रही है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जहरीली होती जा रही पटना की हवा को शुद्ध करने का उपाय करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

निगरानी विभाग से जांच

* 132. **श्री संजय प्रसाद** : क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मुख्यमंत्री बिहार की 24.5.2016 की समीक्षा बैठक में यह विषय उठाया गया था कि अपर किऊल परियोजना के गरही जलाशय में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पत्थरों को सेवा पहुंच पथ में लगाया गया है लेकिन अनुपालन प्रतिवेदन में बताया गया है कि झारखंड के डोमचांच से पत्थर लगाया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि मूल आरोप यही था कि डोमचांच का पत्थर काले रंग का होता है जबकि स्थानीय पत्थर लाल रंग का लगा हुआ है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस मामले को निगरानी विभाग से जांच कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कचमचिया वीयर का पुनर्निर्माण

* 133. **श्री जावेद इकबाल अंसारी** : क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बाराहाट प्रखंड के विक्रमपुर मोड़ के पास चीर सुखनिया नदी में पूर्व से निर्मित कचमचिया वीयर बालू उठाव के कारण ध्वस्त हो गया है जिसके कारण उक्त नदी से राजडीह में जाने वाला पानी रुक जाने के कारण किसानों की लगभग 2000 एकड़ की खेती को सिंचाई करने में परेशानी होती है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, हां तो क्या सरकार किसानों के हित में कचमचिया वीयर के पुनर्निर्माण का विचार रखती है, तो कब तक नहीं तो क्यों ?

सक्षम प्राधिकार द्वारा प्रमाण पत्र

* 134. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि संभवत: बिहार देश का पहला राज्य जहां स्वतंत्रता सेनानी की तीसरी पीढ़ी यथा पोता/पोती/नाती/नतनी को प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए नामित सक्षम प्राधिकार एवं प्रक्रिया का निर्धारण किया गया जिसमें सरकारी नौकरियों में क्षैतिज आधार पर 2 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार यह बतायेगी कि राज्य में अबतक कितने स्वतंत्रता सेनानी के पोता/पोती/नाती/नतनी को सक्षम प्राधिकार द्वारा प्रमाण पत्र निर्गत किया गया ?

आवासीय विद्यालय की सुविधा

* 135. **श्री सोनेलाल मेहता** : क्या मंत्री, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खगड़िया जिला मुख्यालय में अनुसूचित जाति वर्ग 01 से 10 कक्षा तक के बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय सरकार ने वर्ष 2012 में लिया था;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड 'क' में अंकित स्थल पर आवासीय विद्यालय खोलने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सख्त कार्रवाई कबतक

*136. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत तुरकोलिया प्रखंड के रघुनाथपुर अल्पावास गृह में दिनांक-27.1.2018 को भागलपुर के तारापुर के खलीक शेख की पत्नी फरहद खातून का शव संदिग्ध स्थिति में, जिसका घुटना फर्श से सटा हुआ था, जो गले में फंदा लगा पंखे से लटका हुआ मिला है;

(ख) क्या यह सही है कि रघुनाथपुर अल्पावास गृह की पुनर्वास पदाधिकारी आशा सिंह एवं बबिता श्रीवास्तव हैं, उक्त घटना के समय आशा सिंह डयूटी से गायब थी जिसकी पुष्टि महिला विकास निगम के डी.पी.एम. बबलू कुमार ने की है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उक्त अल्पावास गृह में 12 दिसंबर, 2017 को बेतिया हेल्पलाइन से लाई गई मृतका फरहद खातून की संदेहास्पद स्थिति में मौत के जिम्मेवार पूर्णवास पदाधिकारी आशा सिंह एवं बबिता कुमारी पर कौन-सी कार्रवाई की गयी है तथा जांच में क्या पाया गया सरकार सख्त कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

पुलिस बल की तैनाती

* 137. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दानापुर बस स्टैंड एवं गोला पर रामजानकी मंदिर के मुख्य सड़क पर अत्यधिक वाहनों के दबाव के कारण प्राय: प्रतिदिन घंटों जाम की समस्या बनी रहती है, जिसके कारण आम लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सार्वजनिक हित में क्या सरकार उपर्युक्त वर्णित स्थान पर स्थायी रूप से पुलिस बल की तैनाती कराना चाहती है ?

भवन का निर्माण

* 138. **श्री सी. पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार सूबे में 80 हजार आंगनबाड़ी केन्द्र हैं;

(ख) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र के लिए भवन का निर्माण कराया गया है परंतु बहुत सारे आंगनबाड़ी केन्द्र भवन विहीन हैं;

(ग) क्या यह सही है कि शिक्षा परियोजना परिषद ने जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों से प्राथमिक विद्यालयों में आंगनबाड़ी केन्द्र चलाने हेतु रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए पत्र निर्गत किया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यह बतलायेगी कि भवन विहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए भवन निर्माण की योजना है या प्राथमिक विद्यालयों में आंगनबाड़ी केन्द्र चलाने की योजना है ?

बकाया राशि का भुगतान कबतक

*139. **श्री दिलीप राय** : क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिला के रून्नी सैदपुर प्रखंड अन्तर्गत रून्नी सैदपुर उत्तरी अथरी मानिक चौक, दक्षिणी गाढ़ा, कौड़िया लालपुर पंचायत सहित लगभग दर्जनभर पंचायत के वृद्धावस्था पेंशन लाभुकों को दो वर्षों से पैसा नहीं मिल रहा है जिसके कारण पेंशनधारी को भुखमरी की समस्या उत्पन्न हो गई है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार पेंशनधारी लाभुकों को बकाया राशि का भुगतान कबतक करने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

कर्पूरी छात्रावास कबतक

*140. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग की बालिकाओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करने एवं सुरक्षित वातावरण में उन्हें शिक्षा उपलब्ध करने हेतु आवासीय +2 उच्च विद्यालय संचालित है;

(ख) क्या यह सही है कि जिला मुख्यालय स्तर पर छात्र/छात्राओं के लिए जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास वर्ष 2017-18 में कितना बनाने का लक्ष्य है अभी तक राज्य में कितने जिलों में जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास बना है;

(ग) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला में छात्रावास बना है लेकिन विभागीय पदाधिकारी की लापरवाही के कारण छात्र छात्रावास में नहीं रहते हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कब तक राज्य के सभी जिलों में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्र/छात्राओं के लिए जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास बनाना चाहती है ?

जांच कराकर कार्रवाई कबतक

*141. **श्री सुबोध कुमार** : क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य में पर्यावरण प्रदूषण के नियंत्रण हेतु 15 वर्षों से अधिक की गाड़ियों को सड़कों पर परिचालन पर लगाया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि वैशाली जिलान्तर्गत राज्य खाद्य निगम के गोदामों से डोर स्टेप के माल की ढुलाई का सरकारी कार्य 15 वर्षों से अधिक की गाड़ियों से कराया जा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जिले में पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण कानून को ताक पर रखकर ऐसी गाड़ियों को सरकारी माल ढुलाई में लगाने वाले पदाधिकारियों पर जांच कराकर कार्रवाई करते हुए इन गाड़ियों को सड़कों पर परिचालन हेतु रोक लगाना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

आश्रम में डॉक्टर एवं दवा की सुविधा

*142. **श्री वीरेन्द्र नारायण यादव** : क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सीवान जिले के मैरवा प्रखंड में वर्षों से कुष्ठ आश्रम संचालित है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त कुष्ठ आश्रम में विभाग का रख-रखाव नियमित रूप से नहीं होता है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त कुष्ठ आश्रम में डॉक्टर एवं दवा की सुविधा नदारद है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त कुष्ठ आश्रम का रख-रखाव कराने तथा डॉक्टर एवं दवा नियमित रूप से कुष्ठ रोगियों को उपलब्ध कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

थानों में सी.सी.टी.वी. कैमरा नहीं

*143. **श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य में विधि व्यवस्था सुधारने वास्ते पुलिस तंत्र को पब्लिक फ्रेंडली बनाने पर जोर दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि थानों में शिकायत लेकर जाने वालों को प्राथमिकी दर्ज कराने में मशक्कत करना होता है और सी.सी.टी.वी. कैमरे नहीं होने के कारण शिकायतकर्ता के साथ पुलिस वाले अभद्र व्यवहार करने से भी नहीं चुकते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि पुलिस के ऐसे मनमाने रवैये की वजह से पब्लिक पुलिस फ्रेंड की सरकार की सोच जमीन पर नहीं उतर पा रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सभी थानों में सी.सी.टी.वी. कैमरा लगाकर पुलिस के मनमाने पर नियंत्रण करना चाहती है, नहीं तो क्यों ?

कब्रिस्तान की घेराबंदी कबतक

* 144. **श्री मो. गुलाम रसूल** : क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अरवल जिलान्तर्गत करपी थाना के ग्राम-रोहाई में खाता नं.-88, प्लॉट नं.-612, एराजी-72 डिसमिल एक प्राचीन कब्रिस्तान है जिसकी घेराबंदी नहीं हुई है;

(ख) क्या यह सही है कि कब्रिस्तान की घेराबंदी नहीं होने के कारण यह स्थान अति संवेदनशील है तथा यहां दशहरा के अवसर पर कब्रिस्तान की जमीन पर मूर्ति स्थापित करके आपसी सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास किया जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त कब्रिस्तान की संवेदनशीलता को देखते हुए अविलम्ब घेराबंदी कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सी.बी.सी. पर पुल निर्माण कबतक

* 145. **श्री सच्चिदानन्द राय** : क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत प्रखंड लहलादपुर के पंचायत मिर्जापुर में उत्क्रमित उच्च विद्यालय स्थित है, जहां मुरारपुर ग्राम के बच्चों को नहर (सी.बी.सी.) गुजर कर विद्यालय पहुंचना पड़ता है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय के रास्ते में सी.बी.सी. पर पुल नहीं होने के कारण कई बार दुर्घटना भी घट चुकी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार विद्यालय के समीप स्थित सी.बी.सी. पर पुल निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पटना
दिनांक 08 मार्च, 2018 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्